CBSE Class 10 Hindi Elective Question Paper 2026 with Solutions(Memory Based)

Time Allowed :3 Hour 15 Minutes	**Maximum Marks :**80	**Total Questions :**15

General Instructions

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. इस प्रश्न-पत्र में कुल चार खण्ड हैं – क, ख, ग और घ।
3. खण्ड क में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
4. खण्ड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
5. खण्ड ग पाठ्य-पुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
6. खण्ड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
7. यथासंभव सभी खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

1. देवसेना की हार और निराशा के मुख्य कारण क्या थे ?

Solution:

Concept: साहित्य में किसी पात्र की हार और निराशा अक्सर उसकी व्यक्तिगत परिस्थितियों, भावनात्मक संघर्षों और सामाजिक स्थितियों से जुड़ी होती है। देवसेना के जीवन में भी अनेक ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हुईं जिनके कारण उसे गहरी निराशा और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ा।

Step 1: प्रेम में असफलता

देवसेना का प्रेम सफल नहीं हो सका। उसके मन की भावनाएँ और अपेक्षाएँ पूरी नहीं हुईं, जिसके कारण उसे गहरा मानसिक आघात पहुँचा और उसके जीवन में निराशा उत्पन्न हुई।

Step 2: परिस्थितियों का प्रतिकूल होना

देवसेना के जीवन की परिस्थितियाँ उसके अनुकूल नहीं थीं। समाज और परिवार की स्थितियों के कारण वह अपने मन के अनुसार जीवन नहीं जी सकी।

Step 3: आंतरिक मानसिक संघर्ष

अपने सपनों और वास्तविकता के बीच के अंतर के कारण देवसेना के मन में गहरा द्वंद्व उत्पन्न हुआ। यह मानसिक संघर्ष उसकी निराशा का एक प्रमुख कारण बना।

निष्कर्ष:

इस प्रकार प्रेम में असफलता, प्रतिकूल परिस्थितियाँ और आंतरिक मानसिक संघर्ष देवसेना की हार और निराशा के मुख्य कारण थे।

Quick Tip

किसी पात्र की हार या निराशा से जुड़े प्रश्नों में **परिस्थितियाँ, भावनात्मक संघर्ष और सामाजिक कारण** स्पष्ट रूप से लिखने चाहिए।

---

2. निराला ने अपनी पुत्री के विवाह को 'विलक्षण' (अनोखा) क्यों कहा है ?

Solution:

Concept: साहित्य में किसी घटना को 'विलक्षण' या 'अनोखा' तब कहा जाता है जब वह सामान्य सामाजिक परंपराओं और रीति-रिवाजों से अलग हो। **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** के जीवन में उनकी पुत्री का विवाह भी ऐसी ही विशेष परिस्थितियों में हुआ था, इसलिए उन्होंने उसे 'विलक्षण' कहा।

Step 1: सरल और सादगीपूर्ण विवाह

निराला ने अपनी पुत्री का विवाह अत्यन्त सादगी से किया। इसमें अनावश्यक आडंबर, खर्च या दिखावा नहीं था, जो उस समय के सामाजिक रीति-रिवाजों से भिन्न था।

Step 2: दहेज प्रथा का विरोध

निराला सामाजिक कुरीतियों के विरोधी थे। उन्होंने दहेज जैसी प्रथा को स्वीकार नहीं किया और बिना दहेज के अपनी पुत्री का विवाह किया। यह उस समय की परंपरा से हटकर एक साहसिक कदम था।

Step 3: सामाजिक रूढ़ियों से अलग दृष्टिकोण

उस समय विवाह में अनेक रूढ़ियाँ और औपचारिकताएँ प्रचलित थीं। निराला ने इन रूढ़ियों को महत्व नहीं दिया और अपने आदर्शों के अनुसार विवाह संपन्न कराया।

Step 4: निराला की प्रगतिशील सोच

निराला एक प्रगतिशील और समाज सुधारक विचारों वाले साहित्यकार थे। उनकी इसी सोच के कारण उनकी पुत्री का विवाह परंपरागत ढाँचे से अलग और अनोखा बन गया।

निष्कर्ष:

इस प्रकार सादगी, दहेज प्रथा का विरोध और सामाजिक रूढ़ियों से अलग दृष्टिकोण के कारण निराला ने अपनी पुत्री के विवाह को **'विलक्षण'** अर्थात् **अनोखा** कहा है।

Quick Tip

हिंदी साहित्य के प्रश्नों में यदि किसी घटना को **'विलक्षण' या 'अनोखा'** कहा गया हो, तो उसके पीछे के **सामाजिक, व्यक्तिगत और वैचारिक कारणों** को स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए।

---

3. राम के प्रति भरत के अनन्य प्रेम की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Solution:

Concept: भारतीय साहित्य में **राम और भरत** के संबंध को आदर्श भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। भरत का राम के प्रति प्रेम नि:स्वार्थ, समर्पित और अत्यंत गहरा है। उनका प्रेम केवल भावनात्मक नहीं बल्कि त्याग और धर्मपरायणता से भी परिपूर्ण है।

Step 1: नि:स्वार्थ प्रेम और त्याग
भरत का राम के प्रति प्रेम पूर्णत: नि:स्वार्थ था। जब उन्हें अयोध्या का राज्य मिला, तब उन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया क्योंकि वह राम का अधिकार था। उन्होंने राज्य का लोभ त्यागकर अपने बड़े भाई के प्रति सच्चे प्रेम और सम्मान का परिचय दिया।
Step 2: राम की आज्ञा और मर्यादा का पालन
भरत ने राम की मर्यादा और उनके निर्णय का सदैव सम्मान किया। उन्होंने राम को अयोध्या लौटने के लिए विनती की, परंतु जब राम ने वनवास पूर्ण करने का निश्चय किया, तब भरत ने उनकी **खड़ाऊँ** सिंहासन पर स्थापित कर स्वयं उनके प्रतिनिधि के रूप में राज्य का संचालन किया।
निष्कर्ष:
इस प्रकार भरत का राम के प्रति प्रेम **नि:स्वार्थ त्याग** और **मर्यादा एवं सम्मान** जैसी विशेषताओं से परिपूर्ण था, जो आदर्श भाईचारे का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है।

Quick Tip

रामायण से संबंधित प्रश्नों में पात्रों के गुणों को बताते समय **त्याग, प्रेम, मर्यादा और धर्मपालन** जैसे प्रमुख मूल्यों को अवश्य उल्लेख करना चाहिए।

---

4. 'बनारस' कविता में शहर की प्राचीनता और आधुनिकता का मिश्रण किस प्रकार दिखाया गया है ?

Solution:

Concept: किसी शहर की विशेषता उसके इतिहास, संस्कृति और वर्तमान जीवन के मेल से बनती है। 'बनारस' कविता में कवि ने इस शहर की **प्राचीन धार्मिक परंपराओं** और **आधुनिक जीवन शैली** दोनों को साथ-साथ प्रस्तुत किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि बनारस एक ऐसा नगर है जहाँ अतीत और वर्तमान का सुंदर संगम दिखाई देता है।
Step 1: प्राचीन धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएँ
कविता में बनारस की प्राचीनता को उसके मंदिरों, घाटों, गंगा नदी, आरती और सदियों पुरानी धार्मिक मान्यताओं के माध्यम से दर्शाया गया है। यहाँ की गलियाँ, तीर्थयात्रियों की भीड़ और पूजा-पाठ की परंपरा शहर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को प्रकट करती है।
Step 2: आधुनिक जीवन के संकेत
कवि ने शहर के बदलते रूप को भी दिखाया है। बनारस में आधुनिक जीवन शैली, नई गतिविधियाँ, लोगों की भागदौड़ और समकालीन सामाजिक जीवन भी दिखाई देता है। इससे स्पष्ट होता है कि यह शहर समय के साथ बदलते हुए भी अपनी पहचान बनाए रखता है।
Step 3: अतीत और वर्तमान का संगम
कविता में यह बताया गया है कि बनारस में प्राचीनता और आधुनिकता एक साथ विद्यमान हैं। एक ओर सदियों पुरानी धार्मिक परंपराएँ हैं, तो दूसरी ओर आधुनिक जीवन की गति भी दिखाई देती है। यही विशेषता इस शहर को अनोखा बनाती है।
निष्कर्ष:
इस प्रकार 'बनारस' कविता में शहर की **प्राचीन धार्मिक परंपराएँ** और **आधुनिक जीवन शैली** दोनों का सुंदर मिश्रण दिखाया गया है, जिससे बनारस की विशिष्ट पहचान स्पष्ट होती है।

Quick Tip

साहित्यिक प्रश्नों में यदि किसी स्थान या शहर का वर्णन पूछा जाए, तो उसके **इतिहास, संस्कृति और वर्तमान जीवन** तीनों पहलुओं को शामिल करके उत्तर लिखना चाहिए।

---

5. बड़ी बहुरिया का संदेश ले जाते समय हरगोबिन के मन में क्या द्वंद्व चल रहा था ?

Solution:

Concept: कहानी में पात्रों के मन में उत्पन्न द्वंद्व उनकी भावनाओं, कर्तव्य और परिस्थितियों के बीच के संघर्ष को दर्शाता है। हरगोबिन के मन में भी बड़ी बहुरिया का संदेश ले जाते समय ऐसा ही मानसिक संघर्ष उत्पन्न होता है, जो उसकी संवेदनशीलता और निष्ठा को प्रकट करता है।

Step 1: कर्तव्य और संवेदना के बीच संघर्ष

हरगोबिन बड़ी बहुरिया का संदेश उनके मायके पहुँचाने के लिए निकलता है। वह अपने कर्तव्य को निभाना चाहता है, लेकिन रास्ते में उसे बड़ी बहुरिया की दुखद स्थिति याद आती है, जिससे उसका मन व्यथित हो जाता है।

Step 2: संदेश पहुँचाने की चिंता

उसके मन में यह विचार भी चलता है कि यदि वह यह संदेश मायके वालों को पहुँचा देगा, तो उन्हें बड़ी बहुरिया की कठिन परिस्थितियों का पता चल जाएगा और वे बहुत दुखी होंगे।

Step 3: सत्य बताने या न बताने की दुविधा

हरगोबिन के मन में यह द्वंद्व चलता रहता है कि क्या उसे संदेश ज्यों-का-त्यों पहुँचा देना चाहिए या बड़ी बहुरिया की पीड़ा को छिपा लेना चाहिए। वह समझ नहीं पाता कि सही क्या है।

निष्कर्ष:

इस प्रकार बड़ी बहुरिया का संदेश ले जाते समय हरगोबिन के मन में **कर्तव्य निभाने और दूसरों को दुख से बचाने** के बीच गहरा मानसिक द्वंद्व चल रहा था।

Quick Tip

कहानी आधारित प्रश्नों में पात्र के **मानसिक द्वंद्व** को समझाने के लिए उसकी **भावनाएँ, कर्तव्य और परिस्थितियों के बीच के संघर्ष** को स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए।

---

6. पारो और संभव की पहली मुलाकात का वर्णन लेखक ने किस प्रकार किया है ?

Solution:

Concept: कहानी में पात्रों की पहली मुलाकात अक्सर उनके संबंधों की शुरुआत और भावनात्मक वातावरण को दर्शाती है। लेखक इस मुलाकात को इस प्रकार प्रस्तुत करता है कि पाठक पात्रों के स्वभाव, उनकी स्थिति और उनके बीच बनने वाले संबंध को आसानी से समझ सके।

Step 1: अचानक हुई मुलाकात

लेखक ने पारो और संभव की पहली मुलाकात को एक स्वाभाविक और अचानक घटित घटना के रूप में

प्रस्तुत किया है। दोनों का सामना एक सामान्य परिस्थिति में होता है, जिससे कहानी की शुरुआत में ही रोचकता उत्पन्न हो जाती है।
Step 2: संकोच और जिज्ञासा का वातावरण
पहली मुलाकात के समय दोनों पात्रों के बीच हल्का संकोच और एक-दूसरे के प्रति जिज्ञासा दिखाई देती है। लेखक ने उनके भावों और हाव-भाव का वर्णन करके इस स्थिति को प्रभावशाली बनाया है।
Step 3: सरल और भावनात्मक चित्रण
लेखक ने इस मुलाकात का चित्रण बहुत सरल और भावनात्मक शैली में किया है। इससे पाठकों को ऐसा लगता है जैसे वे स्वयं उस दृश्य को देख रहे हों।
निष्कर्ष:
इस प्रकार लेखक ने पारो और संभव की पहली मुलाकात को स्वाभाविक, संकोचपूर्ण और भावनात्मक वातावरण में प्रस्तुत किया है, जिससे कहानी की शुरुआत प्रभावशाली और रोचक बन जाती है।

Quick Tip

कहानी में किसी पात्र की पहली मुलाकात का वर्णन करते समय **परिस्थिति, पात्रों की भावनाएँ और वातावरण** तीनों का उल्लेख करना चाहिए।

---

7. 'कुटज' को 'अपराजेय जिजीविषा' (जीने की इच्छा) का प्रतीक क्यों माना गया है ?

Solution:

Concept: साहित्य में प्रकृति के विभिन्न तत्वों का उपयोग प्रतीक के रूप में किया जाता है। किसी पौधे या वृक्ष को जीवन-संघर्ष और दृढ़ता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। 'कुटज' भी ऐसा ही पौधा है, जिसे कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहने की क्षमता के कारण **अपराजेय जिजीविषा** का प्रतीक माना गया है।
Step 1: कठिन परिस्थितियों में भी उगने की क्षमता
कुटज का पौधा अक्सर पथरीली भूमि, सूखी जगहों और कठिन प्राकृतिक परिस्थितियों में भी उग जाता है। जहाँ अन्य पौधों का जीवित रहना कठिन होता है, वहाँ भी यह अपनी जीवन शक्ति बनाए रखता है।
Step 2: जीवन शक्ति और दृढ़ता का प्रतीक
कठिन परिस्थितियों के बावजूद कुटज का हरा-भरा बने रहना उसकी अद्भुत जीवन शक्ति को दर्शाता है। यह मनुष्य को संघर्ष करते हुए भी जीवन के प्रति आशा और साहस बनाए रखने की प्रेरणा देता है।
Step 3: प्रेरणादायक संदेश
कुटज यह संदेश देता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न हों, मनुष्य को हार नहीं माननी चाहिए। संघर्ष करते हुए आगे बढ़ना ही सच्ची जिजीविषा है।
निष्कर्ष:
इस प्रकार कुटज कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहने की अपनी क्षमता और अटूट जीवन शक्ति के कारण **'अपराजेय जिजीविषा'** का प्रतीक माना गया है।

Quick Tip

प्रतीकात्मक प्रश्नों में किसी वस्तु या प्राकृतिक तत्व को समझाते समय उसकी **विशेषताओं और उससे मिलने वाली जीवन-प्रेरणा** को स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए।

---

8. लेखक ने कोइया (जलपुष्प) और सांपों के प्रति अपने बचपन के अनुभवों को कैसे साझा किया है ?

Solution:

Concept: संस्मरणात्मक लेखन में लेखक अपने बचपन की स्मृतियों और अनुभवों को सरल, रोचक और भावनात्मक शैली में प्रस्तुत करता है। ऐसे वर्णनों के माध्यम से पाठक लेखक के बचपन की परिस्थितियों, भावनाओं और प्रकृति से उसके संबंध को समझ पाता है।

Step 1: प्रकृति के प्रति आकर्षण

लेखक अपने बचपन में तालाबों और जलाशयों के पास उगने वाले कोइया (जलपुष्प) के प्रति अपने आकर्षण का वर्णन करता है। वह बताता है कि इन फूलों को देखकर उसे बहुत आनंद और उत्साह होता था।

Step 2: सांपों के प्रति जिज्ञासा और भय

लेखक अपने बचपन के अनुभवों में यह भी बताता है कि तालाबों और आसपास के स्थानों पर सांप दिखाई देते थे। उन्हें देखकर उसके मन में एक साथ जिज्ञासा और भय दोनों उत्पन्न होते थे।

Step 3: रोचक और जीवंत वर्णन

लेखक ने अपने इन अनुभवों को अत्यंत रोचक और जीवंत शैली में प्रस्तुत किया है। इससे पाठकों को ऐसा अनुभव होता है मानो वे भी लेखक के साथ उन घटनाओं को देख और महसूस कर रहे हों।

निष्कर्ष:

इस प्रकार लेखक ने कोइया (जलपुष्प) और सांपों से जुड़े अपने बचपन के अनुभवों को सरल, रोचक और भावनात्मक शैली में साझा किया है, जिससे उसके बचपन की स्मृतियाँ जीवंत हो उठती हैं।

Quick Tip

संस्मरण आधारित प्रश्नों में उत्तर लिखते समय **बचपन की घटनाएँ, भावनाएँ और वातावरण** का उल्लेख अवश्य करना चाहिए।